खबर संक्षेप

नारायण प्रसाद साहू बने निवास विधानसभा प्रतिनिधि

निवास। नारायण प्रसाद साहू को मध्यप्रदेश तेलघानी बोर्ड, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त और तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री रविकरण साहू द्वारा निवास विधानसभा का प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। इनके प्रतिनिधि बनने पर सतीश राय, प्रहलाद साहू, अमित राय, दशरथ प्रसाद बर्मन, अंजलि साहू, पुनीत साहू,होंसी लाल साहू, भावना साहू, पन्ना लाल साहू, उमेश साहू,भारत साहू, सुरेंद्र साहू ,बंसी लाल साहू, अलोक राय, मुकेश बर्मन, सतीश साहू नंदू यादव, मंजू सोन वानी एवं निवास विधानसभा के समस्त देवतुल्य गणमान्य नागरिकों में हर्ष व्याप्त है।

तलाशी के दौरान लगभग 12600 रूपए की मदिरा जप्त

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में डिण्डोरी रोड में शासकीय आईटीआई के पास बर्राटोला में गश्त के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध घर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 90 पाव विदेसी मदिरा एवं गोआ व्हिस्की प्लास्टिक के बोरे से बरामद की गई। जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 12600 रूपए है। आरोपी अरविंद के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

भवन विहीन या जर्जर भवनों की स्थिति से बच्चों की पढ़ाई बेहाल

600 से अधिक हैं जर्जर स्कूल भवन

*** ग्रामीण शालाओं में शिक्षकों का टोटा, जिला मुख्यालय में अतिशेष।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले की बदहाल शिक्षा व्यवस्था का आखिर दोषी कौन है क्या शिक्षा विभाग के अधिकारी क्या जिला प्रशासन और क्या जनप्रतिनिधि इसका जवाब कौन देगा या फिर यह मान लें कि तीनों ही दोषी हैं शासन द्वारा शिक्षा व्यवस्था में नीचे से ऊपर तक मॉनिटरिंग की पूरी व्यवस्था की गई है शिक्षक जहां अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह हो तो उनके ऊपर प्रधानाध्यापक एवं प्राचार्य होते हैं स्कूल प्रबंधन यदि लापरवाही करें तो जन शिक्षको के माध्यम से बी ए सी बी आर सी तक सूचना पहुंचती है और बी ए सी एवं बीआरसी यदि अपने दायित्व के प्रति उदासीन हो तो डीपी सी ए पी सी वगैरह मौजूद रहते हैं जनजाति विभाग में भी कमोबेश ऐसी व्यवस्था है और सहायक आयुक्त का तो अपना पूरा अमला है जिनके माध्यम से पूरी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है और इन सब के ऊपर जिला प्रशासन है जनप्रतिनिधि हैं जो मीडिया के माध्यम से उजागर कमियों पर ध्यान देते हुए कार्यवाही कर सकते हैं लेकिन मीडिया लाख कमियां दिखाएं शिक्षा व्यवस्था के जिम्मेदारों को ना तो कुछ करना है और ना ही कुछ करने की मनसा ही दिखाई दे रही है तभी तो स्थिति यह है कि 600 से ज्यादा स्कूल भवन जर्जर है जिन्हें दूसरे भावनो में गलियारों में रंगमंचों में संचालित किया जा रहा है क्या सत्र प्रारंभ होने के पूर्व इसकी जानकारी जिला प्रशासन को नहीं थी यदि थी तो फिर क्या प्रयास किए गए और यदि नहीं थी तो फिर आए दिन जो बैठकें होती हैं उनमें आखिर होता क्या है क्योंकि संभाग स्तर पर जो जानकारी सार्वजनिक हुई है उसके अनुसार जिले में एक भी जर्जर स्कूल भवन नहीं है अब स्थिति क्या है यह कौन स्पष्ट करेगा

जिले के शासकीय स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था दिन-व-दिन चौपट होती जा रही है। सभी विकासखंडों में स्थिति बेहद चिंताजनक है, जहां कई स्कूलों में नियमित शिक्षक ही नहीं हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और अभिभावकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

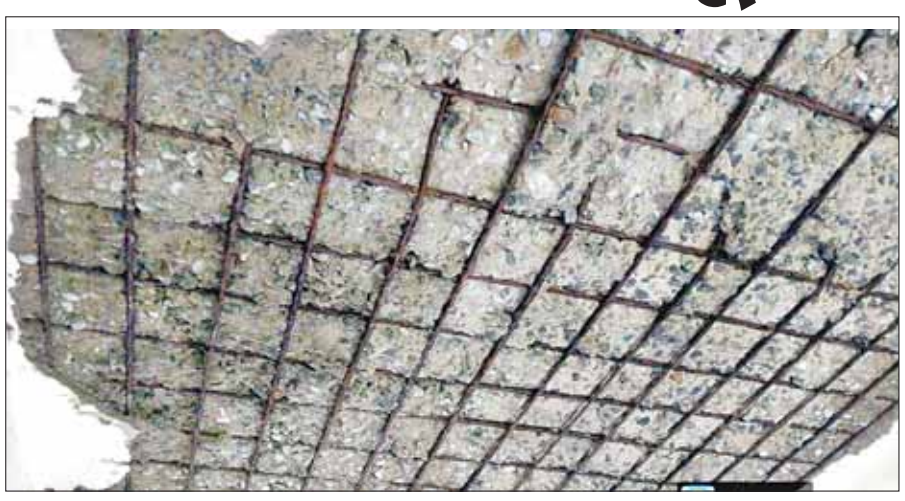

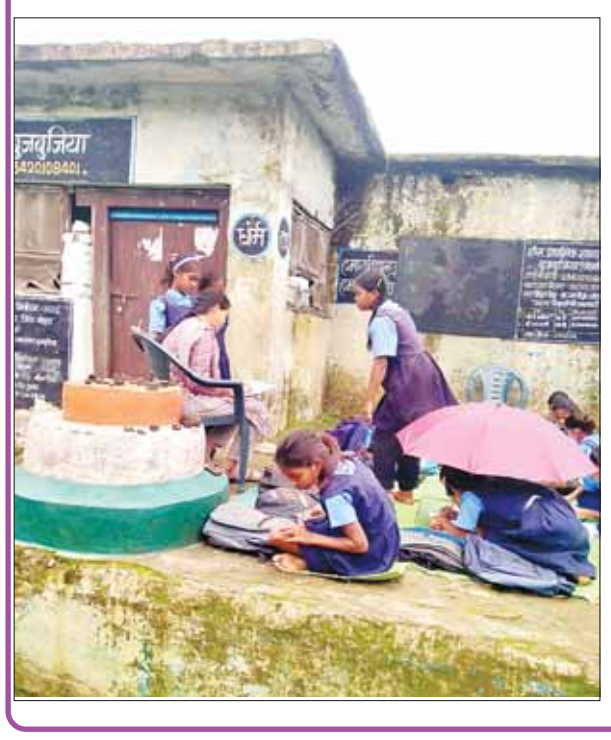

शिक्षकों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से बनाई गई स्थानांतरण नीति अब ग्रामीण क्षेत्रों के लिए समस्या बनती जा रही है। अधिकतर शिक्षकों को मुख्यालय के पास के स्कूलों में पदस्थ किया जा रहा है, जहां पहले से ही पर्याप्त संख्या में शिक्षक मौजूद हैं। जो शासन से बैठे की पगार ले रहे हैं वहीं दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों के स्कूल शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण जिले के कुछ विकास खंड है। यहां शिक्षकों की बहुत अधिक कमी है। जब इस विषय में अधिकारियों से सवाल किया जाता है, तो जवाब मिलता है कि ये तबादले मंत्री के अनुमोदन से हुए हैं। सवाल यह उठता है कि क्या मंत्री ने स्थानांतरण के पूर्व यह जांच नहीं की कि जिन स्कूलों में शिक्षक भेजे जा रहे हैं, वहां जरूरत भी है या नहीं?

शिक्षा विभाग एवं जनजाति कार्य विभाग की भूमिका भी कटघरे में है कि क्या उन्होंने मंत्री को ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया या नहीं।

विभागीय जानकारी अनुसार जनजाति कार्य विभाग में शिक्षकों पदस्थापना के लिए संलग्नीकरण अभी सांठगांठ से किया जा रहा है। पर जो विकासखंड मण्डला अतिशेष है उन्होंने क्यों नहीं रिक्त पदों वाले स्कूलों में भेजा रहा है?

दूसरी ओर कई शासकीय स्कूल भवन विहीन हैं और जहां भवन हैं भी, वे जर्जर हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में स्कूलों का संचालन आंगनबाड़ी केंद्रों, सामुदायिक भवनों या किसी निजी मकान में किया जा रहा है। इससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना एक बड़ी चुनौती बन चुकी है।

इस तरह से जिले प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों की स्थिति देखी जाए तो लगभग 89 स्कूल शिक्षक विहीन, 362 स्कूल एक शिक्षकीय, 37 स्कूल भवन विहीन और 601 स्कूल जर्जर/क्षतिग्रस्त स्थिति में होने के कारण कुछ अति जर्जर स्कूलों का संचालन के लिए स्कूलों को इधर-उधर शिफ्ट करना पड़ा है। और जो कुछ हद तक मरम्मत योग्य है उनके लिए मरम्मत की मांग की जा रही है। साथ ही कुछ भवनों को पूर्ण रूप से डिस्मेंटल किये जाने की बात कही जा रही है।

साथ जानकारी में आया है कि जिला शिक्षा केंद्र द्वारा कई अधूरे स्कूल भवनों को पोर्टल पर 'पूर्ण' और 'उपयोग में' दिखाया गया है, जो विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर इनकी गहन जांच कराई जाए तो जिला शिक्षा केंद्र की कई खामियां सामने आ सकती हैं।

इसके अलावा एक गंभीर विषय यह भी है कि जिले के कई शिक्षकों को विभागीय कार्यालयों में संलग्न कर लिया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य न कराया जाए। फिर भी शिक्षकों का स्कूल से हटाकर कार्यालयों में पदस्थ किया जाना, शैक्षणिक व्यवस्था को और कमजोर बना रहा है। अब सवाल यह है कि इन गंभीर समस्याओं का हल कब और कैसे निकलेगा? क्या जिला शिक्षा केन्द्र विभाग और जनजाति कार्य विभाग इन मुद्दों को गंभीरता से लेकर जरूरी कदम उठाएंगे, या फिर गरीब और ग्रामीण बच्चों की शिक्षा इसी तरह उपेक्षित रहेगी?

मण्डला जिले के स्कूलों की वास्तविक स्थिति

क्र.	विकासखण्ड	एक शिक्षकीय	शिक्षकविहीन	जर्जर भवन	भवनविहीन
1	मण्डला	अप्राप्त	अप्राप्त	96	अप्राप्त
2	घुघरी	86	30	48	अप्राप्त
3	नैनपुर	अप्राप्त	2	64	3
4	मवई	114	24	187	25
5	नारायणगंज	0	0	47	6
6	बिछिया	39	14	34	0
7	मोहगांव	47	9	25	अप्राप्त
8	बीजाडांडी	69	8	90	2
9	निवास	7	2	10	2

दिव्यांग श्रेणी की विश्व शतरंज प्रतियोगिता में मंडला के प्रकाश वंशकार 10वे स्थान पर रहे

मण्डला। मण्डला के शतरंज खिलाड़ी श्री प्रकाश वंशकार ने एक बार फिर जिले को गौरवान्वित किया है। दिव्यांग श्रेणी की विश्व शतरंज प्रतियोगिता में मंडला के श्री वंशकार ने टॉप 10 में अपना स्थान सुरक्षित किया। उन्होंने स्पर्धा में ओवर आल 10वां स्थान प्राप्त किया। पेशे से शिक्षक श्री वंशकार दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को उन्हें सम्मानित किया।

महाराजपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एकीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह आयुर्वेद औषधालय महाराजपुर मण्डला द्वारा शासकीय सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास महाराजपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 43 छात्राओं एवं उपस्थित कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया गया। उपस्थित छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा संतुलित आहार लेने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही संक्रामक रोगों से बचाव हेतु परामर्श दिया गया एवं योग से निरोगी रहने व स्वस्थ्य जीवनशैली, अपनाने की सलाह दी गई। शिविर में डॉ. रितेश गुप्ता, डॉ. आशीष गौठरिया आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

नैनपुर के मार्कफेड गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में उप संचालक कृषि मंडला अश्वनी झारिया, जिला विपणन अधिकारी श्री आरएस तिवारी एवं सहायक आयुक्त सहकारिता अरूण कुमार मसराम द्वारा नैनपुर मार्कफेड के गोदाम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एन.पी.के. 65 मी. टन, अमोनियम सल्फेट 30 मी. टन, डीएपी 114 मी. टन, लिक्विड नैनो यूरिया 320 बॉटल, लिक्विड नैनो डीएपी 120 बॉटल, एस.एस.पी. 118 मी. टन, टी.एस.पी. 36 मी. टन, यूरिया 17 मी. टन है। मार्कफेड नैनपुर में 60 मी. टन यूरिया का भंडारण कराया गया है। चिरईडोंगरी रैक में 1273 मी. टन यूरिया का भंडारण शीघ्र होने वाला है। पिंडरई लेम्पस में 218 मी. टन यूरिया और सिंगारपुर लेम्पस में 190 मी. टन यूरिया पीओएस मशीन में प्रदर्शित हो रहा था किन्तु वास्तविक स्थिति में इतना खाद नहीं पाया गया। समिति प्रबंधक को ऑफलाईन खाद बेचने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, साथ ही भविष्य में पीओएस मशीन के माध्यम से ही खाद बेचने के निर्देश दिये गये हैं।

हवा में लटकता अनोखा विद्युत मीटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विद्युत विभाग एक ऐसा महकमा जिस पर किसी का भी अंकुश नहीं किन शर्तो पर उपभोक्ताओं को बिजली की सुविधा देना है उनके घरों में कौन से विद्युत मीटर लगेंगे, कब उनकी रीडिंग होगी, कब बदला जायेगा और रीडिंग के आधार पर किस अनुपात से बिलिंग होगी औसत बिलिंग पर भी पैसा लगेगा और रीडिंग के आधार पर भी। अब एक नया चमत्कार इस विभाग का सामने आया अभी तक तो आपने दीवारों में विद्युत मीटर लगे देखे होंगे लेकिन महाराजपुर क्षेत्र में एक घर के सामने तारों से लटकता विद्युत मीटर आपको नजर आयेगा और हैरत की बात यह

कि यह विद्युत मीटर आज भी चालू है जबकि जिस उपभोक्ता के नाम से यह मीटर था वह घर छोड़कर जा चुका है पिछले तीन माह से इसे हटाने आवेदन दिया जा रहा है लेकिन विद्युत विभाग है कि सुनता नहीं।

एसडीएम नैनपुर ने किया आंगनवाड़ी केंद्र एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण

मण्डला। एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने शुक्रवार को नैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत निवाड़ी के आंगनवाड़ी केंद्र मोरारी टोला एवं प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दस्तक अभियान के अंतर्गत चल रही गतिविधियों, टीकाकरण सत्र, बच्चों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड और पोषण संबंधी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम नैनपुर श्री ठाकुर ने कहा कि अभियान के दौरान निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करें। प्राथमिक शाला निरीक्षण के दौरान एसडीएम नैनपुर श्री ठाकुर ने छात्रों से पढ़ाई, उपस्थिति पत्रक, शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान भोजन से संबंधित में भी जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम के संबंध में चर्चा की। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार नैनपुर, स्वास्थ्य विभाग से बीएमओ नैनपुर उपस्थित रहे।

सम्मान | मोंटफोर्ट, महर्षि, शा. कन्या उ. मा. विद्यालय एवं सरस्वती ज्ञान मंदिर बम्हनी में हुआ आयोजन।

किंगफिशर ग्रुप ने मेधावी छात्रों को दिये मेडल

*** प्रमाण पत्रों के साथ गिफ्ट वाउचर भी दिये गये।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महर्षि विद्या मंदिर में मंडला में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह विद्यालय के प्राचार्य डॉ उपेंद्र कुमार शुक्ला, ममता शर्मा, डॉ स्वल्पा बड़गइया और सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं तथा छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान कक्षा में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को मैडल, सर्टिफिकेट और गिफ्ट वॉऊचर प्रदान किये गए। ये गिफ्ट वाउचर किंगफ़शिर के सभी आउटलेट जैसे किंगफ़शिर मल्टीप्लेक्स, किंगफ़शिर रंगोली रेस्टोरेंट, किंगफ़शिर वाटर पार्क, डॉलफिन रेस्टोरेंट आदि में एक साल तक के लिए वैलिड रहेंगे। गिफ्ट वाउचर धारक इनका उपयोग इस दौरान कर सकेंगे।

प्राचार्य डॉ उपेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि महर्षि विद्यालय में शिक्षा के साथ साथ बच्चों में संस्कार और आध्यात्मिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने किंगफ़शिर ग्रुप की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि किंगफ़शिर ग्रुप द्वारा जिले के सभी स्कूलों में मेधावी छात्रों को सम्मानित कर अपना सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। यह एक अच्छी और स्वस्थ परम्परा की शुरुआत की गई है। इस पहल से बच्चों में कॉम्पिटिशन स्पिरिट पैदा होगी जिससे वे भी कक्षा में स्थान पाने के लिए कठिन परिश्रम कर प्रयास करेंगे। किंगफिशर ग्रुप मंडला के चार्टेड अकाउंटेंट फैजान मलिक, चार्टेड अकाउंटेंट निदा मलिक, जनरल मैनेजर महेश रावत, असिस्टेंट जनरल मैनेजर चंद्रकांत जोशी, मार्केटिंग हेड सचिन ठाकुर, मैनेजर कुंजबिहारी सोनी, शेफ विजय रावत, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव अमित मिश्रा व रिषभ केवट उपस्थित थे।

सिद्ध टेकरी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से ''विधिक सेवा, प्रकृति की रक्षा'' विषय पर प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी के निर्देशन में एवं श्री तपन धारगा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सिद्ध टेकरी मण्डला में वन विभाग मण्डला के समन्वय से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तपन धारगा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री जफर खान, श्री अल्तमश रहमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला विधिक सहायता अधिकारी

श्रीमती दीपिका तारन, एसडीओ वन विभाग श्री श्रीराम सूतकार, एलडीएम श्री सुजय कुमार, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री सत्यनारायण मिश्रा एवं अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों एवं आमजनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। वृक्ष लगाना ही हमारी जवाबदारी नहीं है अपितु उनका संरक्षण करना भी आवश्यक है जिससे हमें ऑक्सीजन मिलती है ऑक्सीजन की पूर्ति एवं पर्यावरण को संतुलित रखने व बढ़ते तापमान पर नियंत्रण रखने के लिए हमें वृक्षों को अधिक से अधिक मात्रा में लगाये जाने एवं उनके संरक्षण का प्रयास करें व प्रत्येक परिवार द्वारा कम से कम 5 पौधे लगाये एवं प्रमुख तौर पर आम, नीम, पीपल, बरगद, जामुन के पौधों को लगाये जाने की अपील की गई है।

खबर संक्षेप

पुरानी बुराई को लेकर लाठी मारकर चोट पहुंचाई

चीचली। पुलिस थाने से मिली ज्ञानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम दहलवाडा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि एक माह पहले उसका गांव के तखत सिंह राजपूत से विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर जब वह अपने काम से कही जा रहा था उसी दौरान रास्ते में तखत सिंह द्वारा पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी मारकर चोट पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

गिल्की लौकी तोड़ने की बात पर हुई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बेलखेड़ी निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके खेत में गिल्की व लौकी की सब्जी लगी हुई है। बीते हुये दिवस जब ग्राम ही निवासी शेरा कहार तथा संतोष यादव खेत में घुसकर चोरी छिपे गिल्की लौकी तोड़ रहे थें तो प्रार्थी द्वारा उन्हें बगैर पूछे गिल्की तोड़ने से रोके जाने की बात को लेकर दोनों ने एक राय होकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पैर के पंजा में मारी कुल्हाडी

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम रायपुर टोला निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब में अपने घर रायपुर जा रहा था उसी समय रास्ते में सत्तू उर्फ सत्य नारायण लड़िया एवं किस्सू महाराज मिले जो पुरानी बुराई को लेकर सत्तू द्वारा प्रार्थी को गांदी गांदी गालिया देना शुरू कर दिया गया। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा कुल्हाडी से प्रार्थी के पैर के पंजा में मारते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सरपंच पति को रोजगार सहायक ने दी जान से मारने की धमकी

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत तूमडा सरपंच पति द्वारा अपनी पंचायत के रोजगार सहायक पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुये दर्ज कराई गई शिकायत में बताया है कि जब बीते हुये दिवस पंचायत भवन में बैठा हुआ था उस दौरान कुछ महिलाये आई और रोजगार सहायक की शिकायत करते हुये बोली की हमारा काम करने के लिये रोजगार सहायक द्वारा पैसों की मांग की जाती है। उसी दौरान रोजगार सहायक परसराम अहिरवार भी पंचायत भवन में आ गया तो प्रार्थी सरपंच पति द्वारा उससे बोला की कुछ महिलाये तुम्हारी शिकायत करते हुये काम के पैसा मांगने का आरोप लगा रही थी। इस बात को लेकर रोजगार सहायक द्वारा सरपंच पति को गंदी गंदी गालिया देते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी रोजगार सहायक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

आवारा सुअरों के भ्रमण से फैल सकती है नगर में बीमारी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय चल रहा बरसात का मौसम जहां अनेक बीमारियों को जन्म देने वाला माना जाता है। क्योंकि इस मौसम के कभी तेज धूप तो कभी बारिश के चलते ठंड वैसे भी स्वास्थ्य पर विपरित असर डालने से नही चूकता है। इस मौसम के चलते आम जोग परेशान होने के साथ साथ अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रस्ति तो हो ही रही है साथ ही साथ देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जहां आबारा पशु धमाचौकड़ी मचाने के चलते डर इस बात का लग रहा है कि कही स्वायन फ्लू अपना उग्र रूप दिखाना शुरू न कर देगे...? क्योकि नगर की गलियों से लेकर कुलियों में आबरा सुअर भी गंदगी फैलाते हुए देखे जा रहे है? इस संबंध में नगर के लोगों का कहना है कि सुबह के वक्त नपा के कर्मचारियों द्वारा झाड़ू लगाने के बाद सड़कों को सुन्दर कर दिया जाता है। मगर इसके बाद जब साफ जगह से सुअरों का झुंड निकलता है तो पूरा क्षेत्र गंदा कर दिया जाता है, इतना ही नही इन सुअरों की मटर गस्ती के चलते नगर के वार्डो में भी पूर्ण रूप से प्रदूषण फैल रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के भामा वार्ड के अंतर्गत अनेक जगहों पर सुअरों के झुंड भ्रमण करते हुए आसानी से देखने मिल सकते है, जिसमें कुछ स्थान तो इस प्रकार से भी है जहां पर दिन दिन भर सुअर अपना डेरा जमाकर विरोजमान रहते है जिसके चलते लोगों के घरों के सामने रखा हुआ समान को भी यह सुअर क्षति पहुंचाने से नही चूकते है। इस प्रकार से आने वाली बारिश के दिनों में नगर में घूमने वाले इन सुअरों के चलते जहां भंयकर बीमारी फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वही दूसरी ओर सड़को पर सुअरों के अचानक गुजरने की स्थिति में आये दिन सड़क दुघर्टनाएं भी घटित हो जाती है। इस प्रकार से जहां तहां घूम रहे पालतू सुअरों को लेकर लोगों द्वारा नपा से मांग की गई कि वह इस संबंध में उचित कदम उठाने की पहल करते हुए लोगों को सुअरों के अंतक से मुक्ति दिलाई जावे।

प्रशासन से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता किसी दिन दे सकती है बड़ी घटना को अंजाम...?

वेंटीलेटर पर पहुंचते हुये दिखाई दे रही है शक्कर नदी सहित सीतारेवा गांगई पुल की जिन्दगी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा इस समय गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण कराते हुए हर साल करोड़ो रूपया खर्च करते हुए लोगों को पक्की सड़कों की सुविधाएं प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ रही है तो दूसरी ओर गाडरवारा क्षेत्र में भी लगातार विकास की गंगा बहते हुये देखे जाने के बाद भी क्षेत्र के पुलों की दुर्दशा को नजर अंदाज करना निश्चित तौर से यह सच्चाई सबालों को जन्म देने में कोई कसर नही छोड़ रही है? लगातार खस्ता हाल की स्थिति में पहुंच रहे पुलों की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रशासन व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है कि गाडरवारा से कौड़िया की ओर जाने वाले शक्कर नदी पुल सहित चीचली के पास सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की जिन्दगी इस समय पूर्ण रूप से बेन्टीनेटर पर दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? कुछ इसी प्रकार का हाल मात्र चंद वर्ष पहले निर्मित हुये सुदरास से एनटीपीसी की ओर जाने वाले मार्ग पर सीतारेवा नदी के नव निर्मित पुल की दिखाई देने लगी है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि प्रशासन द्वारा इन पुलों की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना सरकार के संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है..? इस संबंध में बताया जाता है कि हमारे शहर को प्रदेश की संस्कार धानी की ओर ले जाने वाले तथा राजधानी को प्रदेश के मा.उच्च न्यायलय नगर से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर बने हुए गाडरवारा शक्कर नदी पुल की स्थिति इन दिनों लगातार खराब होती चली जा रही है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि अब इस पुल से वाहन निकालने में भी आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? ज्ञात हो कि इस पुल का निर्माण आज से लगभग 52 वर्ष पूर्व उस समय 28 लाख रूपया की लागत से हुआ था, जिसका लोकापर्ण 28 अप्रेल 1972 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र सेठी द्वारा किया गया था। यदि उस समय शासन द्वारा लगाई गई राशि का वर्तमान स्थिति की लागत पर जोड किया जावे तो कई करोड़ो में मना जावेगा। इस प्रकार शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी पर बने हुए इस पुल का क्षेत्र की जनता बीते हुए लगभग 52 वर्षो से भी अधिक समय से उपयोग करते हुए खुशहाल बनी हुई है। मगर क्षेत्र में लगातार लग रहे बड़े बड़े उद्योगों सहित लगातार बढ़ रहे सड़कों पर यातायात के दवाब के बाद इस पुल से प्रति दिन हजारों की संख्या में वाहन निकलते है जिसमें निकलने वाले वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक इस प्रकार के भारी वाहन भी निकल रहे है जिनकी शायद पुल के निर्माण के समय कल्पना भी नही की गई होगी तब कभी इतने बड़े वाहनों का भी इस पुल से निकलना होगा? क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात के दवाब के चलते जहां पुल की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। वही दूसरी ओर पुल की ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम तो वर्तमान में इस तरह देखने मिल रहा है कि पुल के ऊपर निकले हुये गड्ढो से सीधे शक्कर नदी में पड़ी हुई रेत के दर्शन तो करा ही रहे है साथ ही साथ वाहन चालकों द्वारा पुल के ऊपर से वाहन निकालने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है...? इस प्रकार से प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां इस पुल की स्थिति बेन्टीनेटर पर पहुंचने के समान महसूस होने लगी है और यदि समय रहते हुये इस पुल के उचित सुधार की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से यहां पर बड़ा हादसा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ चीचली से रायपुर की ओर जाने वाले सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की दिखाई दे रही हो जिसके ऊपर से कुछ वर्ष पहले तक जिस तरह एनटीपीसी सहित अन्य विभागों के बड़े बडे वाहनों की लगातार धमाचौकड़ी मचाई गई थी उसके चलते इस पुल की स्थिति इस प्रकार से जर्जर हो चुकी है कि पुल के निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की राडे भी अब ऊपर निकलकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए खुला आमंत्रण करते हुए दिखाई देने देने से नही चूक रही है? ज्ञात हो कि इस पुल से इस क्षेत्र के लगभग 30 गांवो के लोगों का आना जाना लगा रहता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई की सच्चाई मात्र चंद वर्ष पहले निर्मित हुये सुदरास मार्ग से होते हुये एनटीपीसी के नवनिर्मित सड़क मार्ग की सीतारेवा नदी पर बने हुये नवनिर्मित पुल का हाल देखने मिल रहा है। इस पुल के बीचों बीच गड्ढे निकलना शुरू हो गया है उसके चलते निश्चित ही पुल का निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा पुल निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने से नही चूक रही है? यदि इस नव निर्मित पुल की निष्ठावान अधिकारियों द्वारा निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता की सूक्षमता के साथ जांच की जावे तो चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही चूक पायेगी कि आखिरकार पुलिस का निर्माण किस गुणवत्ता के साथ किया गया है?

नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का ग्राम खुर्सीपार में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में नवांकुर योजना अंतर्गत नवांकुर सखी कार्यक्रम के अवसर पर सेक्टर क्रमांक 05 सांईखेड़ा के खुर्सीपार ग्राम में समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति खुर्सीपार नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित, कन्यापूजन के साथ हुआ। इसके उपरांत मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। वही स्मिता ने नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा कार्यक्रम कि विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश खेमरिया अध्यक्ष जन भागीदारी समिति शासकीय महाविध्यालय साईखेडा सहित ग्राम के शिवदीन पटैल कंछेदीलाल जाटव, विकास खंड समन्वयक सु श्री स्मिता दांडे, परामर्शदाता सपना तोमर स्व सहायता समूह सरस्वती जाटव सेक्टर अध्यक्ष एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नवांकुर सखी हरियाली यात्रा पर महिलाओं को संबोधित किया गया। आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दिशा निर्देश मंशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद वि.ख.

स्कूलों में जब शिक्षक ही नहीं होंगे तो बच्चे कैसे करेगे पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुये आम जनता का भला करने का बाढा करने से तो नही चूक रही है। मगर जब पर्याप्त उस योजना का दायित्व निभाने वाले ही नही होगे तो योजना का लाभ कैसे मिल पायेगा? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत अनेक ग्रामों में देखने मिल रही है, जहां पर ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं..? ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं। वही ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि। इसी वजह से ग्रमीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वही देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हें और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है। ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला भवन तो बन गये हैं मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी होने से गरीब बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। वही शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता हे कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकायें मनमाने ढंग से अपने गृह नगर से समय बेसमय आना जाना करते है, जिसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी रहती है, परंतु वे जानते बूझते हुये भी इस ओर ध्यान नहीं देते है, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बच्चों की पढ़ाई का स्तर गिर रहा है। वही शालाओं को बच्चों को पौष्टिक मध्यान्ह भोजन भी सिर्फ कागजो तक ही सिमित नजर आ रहा है,जिसमें देखा जावे तो कुछ शालाओं की स्थिति इस प्रकार से बनी हुइर है कि मध्यान्ह भोजन की मात्र रस्म अदायगी ही साबित हो रही है?

श्याम टाकीज मार्ग की मुख्य सड़क सुबह से ही वाहन स्टेन्ड का रूप धारण करने से यातायात व्यवस्था हो रही बाधित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में देखा जावे तो जिस तरह से बड़ी बड़ी दुकानों से लेकर प्रतिष्ठान खुलते जा रही है। वही प्रतिष्ठान संचालन अपनी दुकानों को नई नबेली दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ते है। मगर अपनी दुकानों पर पहुंचने वाले ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के प्रबंध नही किये जाने के चलते सड़क इस समय वाहन स्टेन्ड के रूप में दिखाई देने से नही चूक रही है। यह सच्चाई नगर के पलोटन गंज से लेकर अन्य मार्गो पर आसानी से देखी जा सकती है। जहां नगर में आलीशान होटलों से लेकर स्थापित हो रहे प्रतिष्ठानों की शासन प्रशासन धड़ल्ले से अनुमति तो प्रदान कर रहा है। मगर इस बात की ओर ध्यान नही दे रहा है कि आखिरकार इस होटलों व प्रतिष्ठानों में पहुंचने वाले ग्राहकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के क्या प्रबंध किये गये है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई बड़ी दुकान हो या फिर होटल खोलने के समय उसे अपने ग्राहको के लिये पार्किंग व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी होती है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाने के चलते दुकानदारों के हौसले सातवे आसमान में दिखाई दे रहे है और आम लोगों को परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। नगर के श्याम टाकील से लेकर शिवालय चौक तक बीते हुये एक साल के अंदर अनेक बड़ी बड़ी दुकानों सहित अन्य प्रतिष्ठान स्थापित होते हुये देखे गये है। मगर यहां पर किसी तरह से वाहनों की पार्किंग व्यवस्था नही होने के चलते श्याम टाकीज मार्ग की मुख्य सड़क सुबह से ही वाहन स्टेन्ड के समान दिखाई देने से नही चूकती है। इस हाल में आम लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी तरह से ध्यान नही दिये जाना सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है। इस मार्ग की दुकानों के सामने जिसकी मर्जी जैसी होती है वह अपना वाहन खड़ा करके दुकान के अंदर चला जाता है। यदि कोई व्यक्ति निकलते समय परेशान होकर वाहन मालिकों की मनमानी पर कुछ बोलता है तो उसके साथ मारपीट करने में पीछे नही रहते है। आमजन द्वारा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की जा रही है कि यहां पर लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था में सुधार की पहल की जावे।

सड़कों पर धडल्ले से नाबालिग किशोर दौड़ा रहे हैं वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबालिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष से लेकर 16 वर्ष की आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिख आसानी से दिखाई दे जाते है, इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ सकती है? आगे निकलनें की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते है साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन भी भीड़ भरी सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखे जाते है, इनके अभिभावक भी इन खतरों सें भलिभांति वाकिफ है? लेकिन भौतिक संसाधनों कें उपयोग और थेड़ी सी लापरवाही में जानकार भी अनजान बनें हुए है। सांझ ढलतें ही सड़कों पर-शाम होतें ही नगर की सड़कों पर कई किशोर जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर बैठे हुए होते है उनका उसके ब्रेकों तक पैर तक नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर वाहन दौड़ाते हुए आसानी से देखा जा सकता है, इतना ही नही यह लोग नगर कें प्रमुख मार्गो पर हार्न बजातें हुए और तेज गति से वाहन दौड़ातें हुए रोजाना देखे जा सकते है कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते हाते बच जाते है?

कम्प्यूटीकृत बैंकों में हो रहा कछुआ गति से काम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कम्प्यूटर युग के बावजूद भी बैंको मे राशि जमा करने व निकालने के लिये अगर एक दो घण्टे का समय लगें, लंबी लंबी कतारें खत्म न हो तो हमे 21 वीं सदी मे आधुनिकता की चादर ओढ़ने का गर्व नही करना चाहिए। नगर मे स्थित राष्टीयकृत बैंकों मे जिन ग्राहकों को पैसा जमा करने, ड्राप्ट बनवानें, शासकीय राशि जमा करने पहुंचते है तो उन्हे लंबी लाइन मे खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। बैंको मे नोट गिनने की मशीन होने के बावजूद भी अन्य लिखा पढ़ी मे काफी विलंब होता है, जिससे ग्राहकों मे बैको की कार्यप्रणाली से परेशानी बढ़ी है, नगर सहित क्षेत्र के आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राष्टीयकृत बैंक मे शासकीय राशि, चालान आदि पटाने में लोगो को भारी मशक्कत करनी पड़ती है, एक काम के लिये ही यहां पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, जिससे लोगों के काम धाम पिछड़ते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही इस बैंक में कार्यरत कर्मियों के परिचतों के कार्य पहले निपटानें का भी चलन तेजी लिये हुए है। संबंधित बैंक अधिकारियों को चाहिए कि उपभोक्ताओं के काम आसानी से और कम समय पर निपटे ऐसी व्यवस्था बैंक मे बनाये, किंतु अधिकारी है कि कुर्सी पर चिपके रहते हुए देखा जाता है, उन्हें बैंकों मे काम किस गति से हो रहा है व उपभोक्ताओं की क्या परेशानी हो रही है, शायद इससे किसी को कोई सरोकार नही है? मगर देखा जाता है कि यहां प्रमुख बैंकों में वर्षो से पदस्थ कुछ कर्मी अपनी डियूटी के समय चायपान की दुकानों के साथ साथ लोंग लता का स्वाद लेते हुए ज्यादा नजर आते है? इस प्रकार से बैक अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी से परेशान उपभोक्ता जब बैंक प्रमुख से विलंब होने की बात कहते है तो वे उन्हे बैंक में फसाद करने का उल्टा उल्हाना देने से नही चूकते है? इस प्रकार से बैंकों में उपभोक्ताओं को राशि निकालने व जमा करने के लिये पर्याप्त खिड़की है किंतु स्टाफ की कमी के कारण गिनी चुनी खिडकियों मे ही काम होता है, जहां पर लंबी लंबी कतारें लगी रहती है, शासकीय चालान जमा करने वालो को भी घंटों लंबी कतारों मे खड़ा होना पड़ रहा है, एक बैंक मे तो आये दिन पासवर्ड के कारण कम्प्यूटर चालू नही हो पाता जिसके ग्राहक देर तक भुगतान पाने खड़े रहते है, बैंको का कम्प्यूटरीकृत होने के ढोल तो पीटे जाते है किंतु बैंको मे काम काज धीमी गति से हो रहा है लोगों की परेशानी का कारण बन रहा है, यदि ग्राहक विलंब के लिए कुछ कहते है तो बैंक कर्मी व अधिकारी आपे से बाहर हो जाते है।

खबर संक्षेप

39 वर्ष नौकरी उपरांत सेवा निवृत हुए शिक्षक रामशरण हरदहा

अमरपुर। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल सिधौली (मोहगांव) में पदस्थ रामशरण हरदहा उच्च श्रेणी शिक्षक के पद पर पदस्थ रहते हुए 31 जुलाई 2025 को 39 वर्ष 8 माह की सेवाएं पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। जहां क्षेत्र के साथी शिक्षकों के अलावा चांदपुर एवं आसपास के गांवों से भारी संख्या में गणमान्य नागरिक, प्रतिनिधियों के साथ महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर भी अपने साथियों तोक सिंह मरावी, गणेश साहू, देव सिंह भारती, लियाकत अली, जनशिक्षक देवेन्द्र दीक्षित, संतोष मिश्रा आदि श्री हरदहा की विदाई समारोह में सम्मलित हुए। और उन्हें निश्कलंक इतने सालों की सेवाएं पूर्ण करने की शुभकामनाएं दिए और समाज की कार्यों में हाथ बटाने की सलाह दी गई।

ग्यारह सदस्यों का जत्था बाबाधाम रवाना

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोबिंदा कालोनी से सावन माह के पावन अवसर पर 11 सदस्यी कांवड़ियों का जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालु डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए कालोनी मे भ्रमण करते हुए रवाना हुए। कांवरियों ने 'हर हर महादेव' के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे हर साल बाबा धाम की यात्रा करते हैं। उनका मानना है कि इससे उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कांवड़ियों की यात्रा योजना के अनुसार वे चार पहिया वाहन से सुल्तानगंज पहुंचेंगे। वहां से गंगाजल लेकर लगभग 110 किलोमीटर की पैदल यात्रा करेगे देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में भगवान शिव को जल अर्पित करेंगे। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सावन के महीने में भोलेनाथ सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। उन्होंने बाबा से सभी की सुख-शांति की कामना की। इस यात्रा में रामजी श्रवण भूमसेन गनपत ललन भारत रामबाबू इंद्रगोपाल धनीराम जगदीश समेत कई श्रद्धालु शामिल हुए हैं।

आकांक्षा हाट का आयोजन आज

उमरिया। आकांक्षी विकासखंड योजना अंतर्गत संपूर्णता सम्मान समारोह एवं आकांक्षा हाट का आयोजन मानपुर क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में 2 अगस्त को प्रातः 11 बजे से स्टेडियम ग्राउंड जनपद पंचायत मानपुर में आयोजित किया गया है । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल करेंगी वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत मानपुर अध्यक्ष ममता सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष भारती सोनी उपस्थित रहेंगी।

1772 किसानों ने कराया पंजीयन

उमरिया। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि भारत शासन द्वारा निर्धारित एफ.ए.क्यू. मापदंड संबंधी निर्देश राज्य उपार्जन एजेंसी द्वारा जारी किये गये मूंग एवं उड़द के पंजीयन हेतु किसान पंजीयन की अवधि 19 जून 2025 से 5 जुलाई 2025 तक नियत की गई है। जिला उमरिया ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश में मूंग-उड़द का पंजीयन शासन के आदेश अनुसार किया गया है। जिसमें उमरिया जिला के किसानों द्वारा कुल 1772 का पंजीयन मूंग एवं उड़द का किया गया।

"आकांक्षा हाट" में झलकी लोक कला, संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों की चमक

डिंडोरी में 1 से 3 अगस्त तक लगेगा तीन दिवसीय बाजार, बढ़ेगा स्व-सहायता समूहों का आत्मबल

डिंडोरी

नीति आयोग एवं जिला प्रशासन डिंडोरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "आकांक्षा हाट" का भव्य शुभारंभ 1 अगस्त को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत शासकीय विद्यालय परिसर (पोस्ट ऑफिस के सामने) में किया गया। यह तीन दिवसीय हाट बाजार 3 अगस्त तक जिलेवासियों के लिए खुला रहेगा, जिसमें स्थानीय उत्पादों और कारीगरों की प्रतिभा को मंच दिया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते रहे। विशिष्ट अतिथियों में भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू जितेन्द्र ब्यौहार, जिला पंचायत सदस्य हीरा देवी, डिंडोरी मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य, पूर्व जनपद अध्यक्ष महेश धूमकेती, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष श्री पारस राम नागेश, एवं जिला प्रशासन से संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी उपस्थित रहीं।

स्थानीयता और नवाचार का संगम

"आकांक्षा हाट" में जिले के स्व-सहायता समूहों, महिला कारीगरों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित परंपरागत एवं नवाचारयुक्त उत्पादों की विविधता देखने को मिल रही है।

प्रदर्शनी में शामिल प्रमुख उत्पादों में:

कोदो-कुटकी आधारित पोषक खाद्य पदार्थ

लौह अगरिया जनजाति की पारंपरिक धातु कलाकृतियाँ,बाँस शिल्प एवं हस्तशिल्प उत्पाद ,शुद्ध प्राकृतिक शहद एवं जैविक उर्वरक,कोल्ड-प्रेस कच्ची घानी तेल,पाटनगढ़ की गोंडी पेंटिंग्स,

कृषि आधारित घरेलू उत्पाद एवं मैक्रोनी आर्ट

इन उत्पादों को आकांक्षा ब्रांड के अंतर्गत बाज़ार उपलब्ध कराने की योजना है ताकि इन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया जा सके। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा। यह आयोजन न केवल जिले की सांस्कृतिक पहचान को रेखांकित करता है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं और स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक ठोस पहल है। कार्यक्रम में अतिथियों ने इसे कोई भी पीछे न छूटे के संकल्प से जुड़ी हुई पहल बताया।

संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी ने बताया कि यह हाट आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम का हिस्सा है, जो नीति आयोग के मार्गदर्शन में जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने का कार्य कर रहा है।

जनभागीदारी से बनेगा सफल मॉडल।

आकांक्षा हाट में खरीदी करने और उत्पादों का अवलोकन करने के लिए बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजकों ने जिलेवासियों से आह्वान किया है कि वे इस हाट में अवश्य पधारें और स्थानीय उत्पादों को अपनाकर 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा दें।

ग्राम करौंदी में विकास धंसा कीचड़ में, हाई स्कूल पहुंचने के लिए बच्चों को करना पड़ रहा संघर्ष

शहपुरा

यह तस्वीर उस विकास की है जो सिर्फ कागज़ों में चमकता है, लेकिन जमीनी हकीकत में कीचड़ में धंसा पड़ा है। हम बात कर रहे हैं ग्राम पंचायत करौंदी मुख्यालय स्थित हाई स्कूल की, जहां तक पहुंचने के लिए बच्चों को हर दिन कीचड़ से भरे, फिसलन भरे रास्ते से करीब 2 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। हालत इतनी खराब है कि छात्र-छात्राएं गिरते-पड़ते, एक-दूसरे का हाथ पकड़कर स्कूल तक पहुंचने को मजबूर हैं।

तस्वीरें साफ-साफ बयां करते हैं कि ये रास्ता पढ़ाई की राह नहीं, बल्कि एक संघर्ष है

गांव वालों ने बताया कि बारिश होते ही रास्ता दलदल बन जाता है। साइकिल चलाना तो दूर, पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं। बच्चे रोजाना अपने कपड़े और जूते खराब कर स्कूल पहुंचते हैं। कई बार चोटिल भी हो जाते हैं, लेकिन मजबूरी है पढ़ाई छोड़ना विकल्प नहीं।

अभिभावक चिंतित हैं, प्रशासन बेपरवाह

स्थानीय निवासी कई बार पंचायत व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है, समाधान नहीं।

प्रशासन से सवालः

क्या हाई स्कूल जैसी जरूरी जगह तक पहुंचने का रास्ता बनाना प्राथमिकता नहीं है? क्या बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा सिर्फ भाषणों में महत्वपूर्ण है? ग्रामीण प्रशासन से मांग करता है कि जल्द से जल्द इस रास्ते का पक्का निर्माण करवाया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित शिक्षा का अधिकार मिल सके। यह सिर्फ करौंदी की नहीं, पूरे सिस्टम की सच्चाई है। हम दिखा रहे हैं क्योंकि ये हमारा फ़र्ज़ है।

जन्म के 24 घंटे के भीतर नवजात का हुआ फेस कैप्चर ई-केवाईसी, लाड़ली लक्ष्मी योजना में भी हुआ नामांकन

शहपुरा

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएं अब ज़मीनी स्तर पर तेजी से क्रियान्वित हो रही हैं। इसका उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला शहपुरा शहरी सेक्टर के वार्ड क्रमांक 9 में, जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता साहू की तत्परता और समर्पण से एक नवजात बालिका का जन्म के 24 घंटे के भीतर ही फेस कैप्चर ई-केवाईसी किया गया और लाड़ली लक्ष्मी योजना में उसका नामांकन भी सुनिश्चित कर दिया गया। हितग्राही जया कछवाहा पति नानराम कछवाहा के घर जैसे ही बेटी अनाया ने जन्म लिया, वार्ड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता साहू को इस खबर की जानकारी मिली। वे बिना किसी विलंब के सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहपुरा पहुंचीं। वहाँ नवजात शिशु अनाया की आधार फेस मैपिंग व ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की गई, जो अब विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ प्राप्त करने हेतु अनिवार्य हो चुकी है। ई-केवाईसी के तुरंत बाद लाड़ली लक्ष्मी योजना का पंजीयन फार्म भी भरकर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की गई। यह पहल इस बात का प्रतीक है कि आज सरकार और उसकी जमीनी स्तर की कार्यकर्ता बालिकाओं के अधिकारों और भविष्य को लेकर कितनी सजग हैं। ज्ञात हो कि महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं—जैसे पोषण आहार, गेहूं-चावल वितरण आदि—अब पूरी तरह डिजिटल पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से संचालित की जाती हैं, जिनमें हितग्राहियों की पहचान के लिए आधार फेस मैपिंग आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनीता साहू की यह तत्परता न सिर्फ सराहनीय है बल्कि यह अन्य कार्यकर्ताओं के लिए भी एक प्रेरणा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही समय पर और पूरी पारदर्शिता से कैसे दिलाया जा सकता है।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने जिला अस्पताल में जरूरतमंद के लिए किया रक्तदान

डिंडोरी।

जिला व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय जैन ने डिंडोरी जिला अस्पताल में एक जरूरतमंद मरीज के हित के लिए रक्तदान कर मानवता की अनुकरणीय मिसाल पेश की। यह नेक कार्य डिंडोरी जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में संपन्न हुआ, जहां उनकी इस पहल ने स्थानीय समुदाय में जागरूकता और प्रेरणा का संदेश दिया।

संजय जैन ने रक्तदान के बाद कहा, रक्तदान एक ऐसा कार्य है, जो न केवल किसी की जिंदगी बचाता है, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। डिंडोरी जैसे क्षेत्र में, जहां चिकित्सा सुविधाओं की कमी एक चुनौती है, रक्तदान जैसा छोटा प्रयास बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने आगे बताया कि यह रक्तदान एक गंभीर रूप से बीमार मरीज के लिए किया गया, जिसे तत्काल रक्त की आवश्यकता थी।डिंडोरी जिला अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी, डॉ वर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, जिला अस्पताल में ब्लड बैंक की सुविधा होने के बावजूद, अक्सर रक्त की कमी हो जाती है। संजय जैन जैसे जिम्मेदार नागरिकों का योगदान न केवल मरीजों के लिए जीवनदायी है, बल्कि अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करता है।इस अवसर पर स्थानीय व्यापारी समुदाय और अस्पताल के कर्मचारियों ने संजय जैन के इस कदम की तारीफ की। व्यापारी संघ के अन्य सदस्यों ने भी भविष्य में रक्तदान करने की इच्छा जताई। संजय जैन ने डिंडोरी के सभी नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें और इस पुण्य कार्य में सहयोग दें।यह खबर डिंडोरी जिले में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। संजय जैन का यह प्रयास न केवल एक मरीज की जान बचाने में सहायक रहा, बल्कि जिले के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना है।

नाग पंचमी पर ग्राम टिकरिया में भव्य दंगल प्रतियोगिता का आयोजन

शहपुरा – ग्राम टिकरिया में वर्षों से चली आ रही नाग पंचमी के पावन अवसर पर दंगल प्रतियोगिता की परंपरा इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ निभाई गई। यह पारंपरिक कुश्ती आयोजन इस बार गांव के स्कूल प्रांगण के पास विशाल मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के गांवों सहित शहपुरा विकासखंड से भी सैकड़ों दर्शक और पहलवानों ने हिस्सा लिया।

दंगल प्रतियोगिता की शुरुआत गांव के सरपंच गोपाल सिंह तेकाम एवं विशिष्ट अतिथि संदीप गोलिया की उपस्थिति में की गई। इस अवसर पर गांव के वरिष्ठजन, पंचगण एवं युवा समिति के सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूरे आयोजन स्थल पर मेले जैसा माहौल देखने को मिला और ग्रामीण खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा गया। प्रतियोगिता में स्थानीय ही नहीं बल्कि बाहरी गांवों से आए पहलवानों ने भी अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। अखाड़े में कई कड़े और रोमांचक मुकाबले हुए, जिन्हें देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। मुकाबले में पहलवानों की दांव-पेंच, ताकत और अनुभव ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। प्रतियोगिता के सफल समापन पर विजेताओं को नकद पुरस्कार, सम्मान पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। आयोजन की सफलता का श्रेय ग्राम पंचायत टिकरिया, युवा समिति और समस्त ग्रामवासियों को जाता है, जिनके सहयोग से यह आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सका। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के पारंपरिक आयोजन ग्रामीण संस्कृति को संजोए रखने के साथ-साथ युवाओं में खेल भावना और अनुशासन का संचार करते हैं। नाग पंचमी पर आयोजित यह दंगल अब टिकरिया गांव की पहचान बन चुका है।

शिक्षकों को जीवन कौशल सिखाने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी

समनापुर विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में जीवन कौशल पाठ्यक्रम वर्ष 2 के मॉड्यूल पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में समनापुर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए।कार्यक्रम में प्रमुख प्रशिक्षक श्री दीपभान राठौर, सुश्री दीपिका तिर्की और श्रीमती विजय भारती ने जीवन कौशल पाठ्यक्रम की व्यापक जानकारी प्रदान की। सत्रों के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों ने डेमो क्लास संचालित की, जिसमें सत्र क्रमांक 3, 11, 17 व 4 का संचालन उनके द्वारा किया गया। प्रशिक्षकों ने सत्र क्रमांक 6, 11 और 18 पर प्रस्तुति दी।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदुः

- जीवन कौशल पाठ्यक्रम की संरचना व उद्देश्य समझाया गया
- शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने हेतु व्यावहारिक सुझाव दिए गए
- शिक्षकों के प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया गया

कार्यक्रम में सक्षम योजना के जिला प्रबंधक श्री महारन प्रताप सिंह, BPM नीरज तिवारी व श्री प्रवीण उपाध्याय का विशेष सहयोग रहा।

प्रभावः

प्रशिक्षण के बाद शिक्षकों की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। वे अपने छात्रों को और अधिक प्रभावशाली ढंग से जीवन कौशल विषयक ज्ञान प्रदान करने में सक्षम हुए हैं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को व्यावहारिक व प्रेरणादायक बताया।

कृषि विभाग एवं इफको संस्थान ने कृषकों को दिया नैनो उर्वरकों से बीज उपचार का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । शहपुरा विकासखण्ड में कृषकों को कृषि विभाग एवं इफको संस्थान के सहयोग से नैनो उर्वरकों के माध्यम से बीज उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों से अवगत कराना और फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन क्षमता को बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान कुटकी बीज का नैनो यूरिया से बीज उपचार किया गया तथा कृषकों को कुटकी का बीज भी वितरित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि बीज उपचार की यह पद्धति पौधों की वृद्धि में सहायक होती है, जिससे अंकुरण दर बढ़ती है और उपज में भी गुणात्मक सुधार आता है। प्रशिक्षण में उपस्थित प्रमुख जनप्रतिनिधि व अधिकारी- जनपद सदस्य श्री सुरेंद्र मार्को, सरपंच श्री सीताराम कार्पो, इफको प्रतिनिधि श्री अभय पांडेय एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री गुमान सिंह उपस्थित रहे।

नैनो उर्वरक से बीज उपचार की विधि,

1.घोल तैयार करना-. प्रति किलोग्राम बीज के लिए 3.5 मिली नैनो उर्वरक को पानी में घोलें।

2.बीज को भिगोना-.बीजों को इस घोल में 20-30 मिनट तक डुबोकर रखें।

3.छाया में सुखाना- भीगे हुए बीजों को छाया में अच्छी तरह सुखाएं।

4.बुवाई- सूखे बीजों को सामान्य विधि से बोयें।

नैनो उर्वरक के प्रमुख लाभ-

1. बीजों की अंकुरण क्षमता में सुधार होता है।
2. फसल की उपज में वृद्धि होती है।
3. पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सुलभ होते हैं।
4. मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है।
5. पर्यावरण के लिए सुरक्षित एवं पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में कम प्रदूषण फैलाता है।

नैनो उर्वरक का उपयोग कब करें-

1.बीज उपचार के समय।

2.फसल की वृद्धि की अवस्था में पर्णीय छिड़काव के रूप में।

3.पहला छिड़काव, अंकुरण के 30-35 दिन बाद या रोपाई के 20-25 दिन बाद।

4.दूसरा छिड़काव, पहले छिड़काव के 20-25 दिन बाद या फूल आने से पहले।

सावधानियां-

1.निर्माता द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

2.अन्य उर्वरकों या रसायनों के साथ मिलाने से पहले अनुकूलता जांचें।

3.नैनो उर्वरक को बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रायोगिक दृष्टिकोण से लाभदायक रहा, जिससे वे फसल उत्पादन में तकनीकी नवाचार अपना सकें।

100 लीटर नर्मदा जल के साथ कांवड़ यात्राः आस्था और समर्पण का प्रतीक बने गौरव साहू

शहपुरा । श्रावण मास शिव भक्ति का महीना और इसी माह में आस्था का अद्वितीय दृश्य एक बार फिर शहपुरा में नजर आया। नगर के युवा श्रद्धालु गौरव साहू ने 100 लीटर नर्मदा जल के साथ कांवड़ यात्रा कर शिवालय के महादेव का भव्य जलाभिषेक किया। यह न केवल भक्ति का प्रदर्शन था, बल्कि समर्पण, आत्मबल और अनुशासन की एक मिसाल भी थी।

गौरव साहू हर वर्ष की भांति इस बार भी मालपुर स्थित कन्हैया संगम घाट से नर्मदा जल भरकर कांवड़ यात्रा पर निकले। यह जल वे शहपुरा स्थित शिव शक्ति चौक के शिवालय में अर्पित करते हैं। विशेष बात यह रही कि इस बार उन्होंने 100 लीटर पवित्र जल को अपने कंधों पर लेकर नगर भ्रमण करते हुए शिवधुनों के बीच महादेव का जलाभिषेक किया।

उनकी यात्रा केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि नगरवासियों के लिए श्रद्धा और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गई। पूरे नगर में जहां-जहां से उनकी कांवड़ यात्रा गुजरी, वहां श्रद्धालु पुष्प वर्षा कर स्वागत करते रहे। शिवभक्तों के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

शिव शक्ति चौक समिति के सहयोग से यह पूरा कार्यक्रम अत्यंत भव्यता से संपन्न हुआ। समिति ने जलाभिषेक से लेकर भंडारे तक की पूरी व्यवस्था की और गौरव साहू जैसे समर्पित भक्तों को सम्मान भी दिया। गौरव साहू की यह नर्मदा जल यात्रा यह सिद्ध करती है कि जब आस्था सच्ची हो, तो कोई बोझ भारी नहीं लगता। उनकी यह यात्रा एक ऐसा संदेश देती है कि आज के युवाओं को भी धर्म और संस्कृति से जुड़कर समाज में सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करने चाहिए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 2 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

स्कूलों में चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को रोकने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज नरसिंहपुर।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्कूलों में चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को रोकने की मांग को लेकर एन एस यू आई ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। एन एस यू आई के जिला अध्यक्ष ईशान ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्कूलों में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में छात्र छात्राओं पर दवाब बनाकर परिषद की सदस्यता के लिए मजबूर किया जा रहा है जो कि शैक्षणिक माहौल को खराब कर रहा है। स्कूलों में इस अभियान को तुरंत रोका जाए एवं जो प्राचार्य एवं शिक्षक इसमें लिप्त हैं उन पर कार्यवाही की जाए। उक्त मौके पर एसआईयूआई के सोशल मीडिया के प्रदेश चेयरमैन अंकुर बैटरी, अमित श्रीवास्तव ,प्रियंक कहार, संजय मेहरा, अभिषेक गुप्ता,विवेक नोरिया, नयन साहू आदि उपस्थित रहे।

बग्घी पर बिठाकर उपनिरीक्षक सविता राठौर को सेवानिवृत्ति पर दी अनूठी विदाई

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज़। 38 वर्ष 5 माह तक नरसिंहपुर पुलिस विभाग में अपनी निष्ठा, समर्पण और अनुशासन का परिचय देने वाली महिला उपनिरीक्षक श्रीमती सविता राठौर आज गरिमामयी समारोह में सेवानिवृत्त हो गईं। सेवा के इस गौरवपूर्ण पड़ाव पर उन्हें कंट्रोल रूम में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। उक्त विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, आरआई श्रीमती बघेल, थाना प्रभारी रत्नाकर हिंग्वे, सहित पुलिस स्टाफ व परिजन उपस्थित रहे। इस सेवानिवृत्ति समारोह में एसआई सविता राठौर की पुलिस कंट्रोल रूम से उनके कंदोली स्थित निज निवास तक बग्घी पर निकली विदाई यात्रा समारोह का प्रमुख आकर्षण रही, जिसमें सविता राठौर को सम्मानपूर्वक बैठाकर विदाई दी गई। श्रीमती सविता राठौर ने ग्वालियर से आकर नरसिंहपुर जिले को अपनी कर्मभूमि बनाया था। श्रीमती सविता राठौर के दो बेटे है जिनमें से ADPO अभय प्रताप सिंह राठौर ग्वालियर में पदस्थ है एवं सौरभ प्रताप सिंह राठौर पत्रकार है। इस अवसर पर उनके परिवार के साथ-साथ पुलिस विभाग ने भी भावुकता के साथ उनकी सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

कमांडेंट टीआर चौहान को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज़ । होमगार्ड कार्यालय में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट टीआर चौहान के सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सैनिकों द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। इस अवसर पर शाल श्रीफल एवं फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके स्वस्थ रहने एवं दीर्घायु होने की कामना करते हुए विदाई की गई। विदाई समारोह के अवसर पर उनके परिजन मौजूद थे। उपस्थित जनों ने विदाई समारोह में उनके कार्यकाल के दौरान अनुभव के आधार पर विचार व्यक्त किए।

सुभाष पार्क पर जिला कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

सरकार एवं भाजपा नेताओं के संरक्षण में बेचे जा रहे हैं मादक पदार्थ

महंगाई बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार ,जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर कलेक्ट्रेट में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज़।

गुरुवार को जिला कांग्रेस द्वारा जिले और प्रदेश भर में अवैध रूप से नशा का बढ़ता कारोबार के साथ महंगाई बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। सुभाष पार्क पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सरकार ,जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। सुभाष पार्क से लेकर नरसिंह भवन कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली गई। कलेक्ट्रेट में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

पूर्व विधायक, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार की कुनीतियों के कारण हर वर्ग त्रस्त है। बेरोजगारी महंगाई से आम आदमी का जीना दूभर हो रहा है वही नशे का कारोबार प्रदेश सरकार भाजपा नेताओं के संरक्षण में फल फूल रहा है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिली शरण तिवारी ने कहा कि जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में घातक मादक पदार्थ खुलेआम बेचे जा रहे हैं दुर्भाग्य का विषय है कि इसको सरकार का संरक्षण प्राप्त है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि मध्यप्रदेश में भा.ज.पा. सरकार के द्वारा एक तरफ नशे के खिलाफ मुहिम चलायी जा रही है, दूसरी तरफ सरकार के प्रतिनिधि और भाजपा नेता नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। नशा तेजी से फैल रहा है । ड्रग्स के मामले में लिप्त हुए यासीन अहमद के कई जिम्मेदार भाजपा नेताओं से संपर्क हैं। कई भा.ज.पा. के नेताओं के साथ तस्वीरें वायरल हो रही है, जिसकी निष्पक्ष रूप से जांच होना चाहिए एवं वर्तमान में जिले में खाद यूरिया की कालाबाजारी, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, शराब, जुआ-सटटा और अवैध मादक पदार्थ महिलाओं, युवाओं , किसानों का जीना दूभर किए हुए हैं। आरोप लगाया गया कि जिले में कानून व्यवस्था भी बिगड़ी हुई है।

उक्त मौके पर उक्त मौके पर भगवंत सिंह जाट, राजेंद्र रघुवंशी, अस्सू नेमा,कंछेदी पटेल , रामरतन सिंह पटेल, अमित राय गोलू, प्रताप गुमास्ता,अजय मालवीय, चंद्रप्रकाश यादव, दुलीचंद नेमा, अजय दुबे, राजेंद्र नेमा ,प्रतीक त्रिवेदी, मनीष साहू, विशाल राय, आशीष राजवेध, बॉबी खान, मुकेश कटारे, काजल सोनेलाल, नारायण महोबिया,जग्गी सोनी,अतुल चौरसिया, रोहित पटेल , मनीष कौरव, ईशान राय, देवेंद्र शुक्ला,संतोष शुक्ला, डॉ राजकुमार नेमा, संदीप मुदलियार, सोनू प्रजापति, डॉ राजकुमार ने मा,गोपाल मरेले, आशीष राज वैध, चंदप्रकाश अग्रवाल, डॉ देवेन्द्र, अमित श्रीवास्तव, ताज आजाद, रामस्वरूप खेमरिया, संजय राजपूत के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें

कचरे को डस्टबिन या कचरा वाहन में डालें, इसके लिए नागरिकों को प्रेरित करें

कलेक्टर श्रीमती पटले ने नगरीय निकाय की बैठक में की विभागीय कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज नरसिंहपुर ।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगरीय निकाय की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना- शहरी 2.0 के निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। 31 जुलाई 2025 तक प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने इस अवसर पर नगरीय क्षेत्रों में कुल स्वीकृत आवासों की संख्या, पूर्ण किए गए आवासों की संख्या तथा प्रगतिरत आवासों की संख्या के संबंध में जानकारी ली। प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के निर्माण कार्य का लगातार मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए, जिससे हितग्राही निर्धारित समय सीमा में आवास निर्माण का कार्य पूर्ण कर सके। आयोजित बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, नगर पालिका एवं नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के लिए हितग्राहियों का चयन त्रुटिरहित करने के निर्देश दिए। हितग्राहियों को आवास के किस्त की राशि जारी होने के बाद उसे निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में अमृत 2.0 के विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर वॉटर सप्लाई योजना, पार्क निर्माण कार्य तथा वॉटर बाड़ी रिजुवेशन के कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने वॉटर सप्लाई योजनांतर्गत निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद कायाकल्प अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कायाकल्प योजनांतर्गत सड़कों का उन्नयन और अतिक्रमण हटाने तथा सीवर के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने को कहा। आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री अद्योसंरचना के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में नरसिंह तालाब और चिल्ड्रन पार्क का सौंदर्यीकरण करने के एवं कार्यों की नियमित रूप से मॉनीटरिंग कर गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अवसर पर एनटीपीसी सीएसआर मद के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने वर्षाकाल में नगरीय क्षेत्रों के नालों की साफ-सफाई तथा बाढ़ आपदा की तैयारियों की समीक्षा की। नालों की साफ- सफाई करने, बाढ़ क्षेत्रों को चिन्हित करने तथा अतिवर्षा व बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए राहत शिविरों का स्थल चयन के संबंध में समीक्षा की गई। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में ब्लैक स्पॉट स्थलों को चिन्हित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित करने और घरेलू कचरा हमेशा कचरा वाहन या डस्टबिन में डालने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर में गंदगी व कचरा फैलाने वाले व्यक्तियों पर जुर्माना लगाने को कहा, जिससे नगरीय क्षेत्र स्वच्छ और साफ- सुथरा रहे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने- अपने नगरीय क्षेत्रों में प्रातः काल नियमित रूप से भ्रमण करने तथा साफ- सफाई की व्यवस्था देखने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में नगरीय क्षेत्रों के जर्जर भवन, अत्याधिक पुरानी बिल्डिंग और क्षतिग्रस्त भवनों पर कार्रवाई करने को कहा गया, जिससे इन भवनों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न घटे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में खनिज विभाग, डीएमएफ, सीवरेज प्रोजेक्ट तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यों के संबंध में समीक्षा की।

सरस्वती विद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज़। मानस मर्मज्ञ संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदासकी जयंती सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में दिनांक 31 जुलाई 2025को श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाई गई। अभिभावक मूलचंद सेन ओमप्रकाश चौकसे के मुख्यआतिथ्य में तथा प्रभारी प्राचार्य नरेन्द्र सिंह राजपूत की अध्यक्षता में तथाप्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर राजेन्द्र पटैल की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलन गोस्वामीतुलसीदास त्रिगुण शक्ति का पूजन अर्चन पश्चात अंशु विश्वकर्मा द्वारा तुलसीदास के जीवनचरित्र प्रेरक प्रसंगों को रखा गया। प्रख्याती राजपूत ने हनुमान चालीसा तथा चेतनारैकवार ने श्रीराम स्तुति का सरस गायन किया। अंबिका यादव द्वारा नवधा भक्ति का संदेशमानस चौपाईयों द्वारा दिया गया ।

आर्या परमार ने संस्कृत तथा कंचन मेहरासंवेदना चौकसे ने अंग्रेजी भाषा में तुलसीदास के जीवन प्रसंगो सांस्कृतिक मूल्योंका चित्रण करते हुए उनके कृतित्व को हिन्दी साहित्य की अमूल्य धरोहर बताया संगीतआचार्य रामशंकर पटैल ने अपने उद्धबोधन में कहा कि ज्ञान साधना द्वारा व्यक्तित्वनिर्माण कर समाज उत्थान की प्रेरणा हमें तुलसीदास जी से मिलती है। तुलसीदास कीश्रीराम के प्रति अनन्य भक्ति में मूल प्रेरक उनकी पत्नी रत्नावली बनी। कल्याण मंत्र से कार्यक्रम का समापन हुआ।

उधारी की रकम मांगने पर पत्नी से कराई थी बलात्कार की झूठी रिपोर्ट न्यायालय ने किया दोषमुक्त

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज़। न्यायालय तृतीय सत्र न्यायाधीश श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा सत्र प्रकरण 167/24 आरोप अंतर्गत धारा 376(2) भा द वि बलात्कार के अपराध में आरोपी अतुल जैन निवासी ठेमी को दोषमुक्त किया।अतुल जैन का मित्र जो अभियोक्त्री का पति है उसने आरोपी से 3 लाख रुपये उधार लिए और उसके एवज में चेक दिया जो बाउंस हो गया तब अतुल ने न्यायालय में चेक बाउंस होने का मामला पेश किया। तब अभियोक्त्री के पति ने दबाब डालकर धमकी दी कि राजीनामा कर लो नही तो झूठी रिपोर्ट करवा दूंगा जब अतुल जैन द्वारा राजीनामा करने से मना किया तब साजिश रचकर अभियोक्त्री ने बलात्कार की झूठी कहानी बनाकर थाना गोटेगांव में रिपोर्ट कर दी जिसमे निर्दोष अतुल को 21 दिन जेल में बिताने पड़े । न्यायालय में भी अभियोक्त्री और उसके पति ने झूठी गवाही दी परंतु आरोपी के अधिवक्ता ने साक्ष्य दस्तावेजो एवं तर्कों के द्वारा मामले की सत्यता को न्यायालय के समक्ष रखा, न्यायालय द्वारा प्रकरण में आई साक्ष्य और तर्कों से सहमत होते हुए अतुल जैन को उक्त प्रकरण में दोषमुक्त किया। आरोपी की और से अधिवक्ता शरद कुमार शर्मा,संदीप गुप्ता,अतुल नेमा एवं दीक्षा राजपूत द्वारा पैरवी कर मजबूती से पक्ष रखा।

उबालकर छानकर या आरो का पानी पिये

तेंदूखेड़ा हाल ही में लगातार वारिस के चलते बरसात का पानी जहां तहां भर गया है।यही बरसात का पानी जलस्त्रोतों में पहुंचता है।जिसे हम हम हेंडपंपो के माध्यम से पीने के उपयोग में लेते हैं। शुरुआत का यह दूषित पानी हमारे लिए पीड़ा दायक हो जाता है। बहुत सी बीमारियां केवल पानी से ही उत्पन्न होती है। इसलिए हमें पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी उपयोग में लेना चाहिए। बरसात के दिनों में अक्सर कर पेट दर्द आंव पेचिस उल्टी-दस्त के मरीज अधिकांशतः अस्पतालों में देखने को मिला करतें हैं। छोटी-छोटी सी बातों को ध्यान में रखकर यदि सुधार हो जाता है तो हम विभिन्न प्रकार की व्याधियों से बच सकते हैं।इन सभी विषयों को लेकर ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि कि ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी की बहुत ज्यादा समस्या बढ़ जाती है।जल स्रोतों के आस पास जमा होने फिर वही पानी रिचार्ज वापिस आने उसी को पीने से समस्या बनती है। लोगों को चाहिए कि पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी पियें । अक्सर कर उल्टी-दस्त आंव पेचिस पेट दर्द की शिकायतें बढ़ती है। लोगों को चाहिए अपने इर्द-गिर्द साफ सफाई बनाकर रखें। भोज्यपदार्थ सामग्री को ढककर रखें। चाट नाश्ता की दुकानों पर सामग्री को ढक कर रखनी चाहिए मक्खियों को बिल्कुल बैठने ना दें।ऐसी स्थिति में संक्रामक बीमारियों को बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

जलभराव ना हो मच्छरों को ना पनपने दें

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा दामोदर जाटव का कहना है कि बरसात के दिनों में अक्सर कर जल भराव की स्थिति सामने देखने को मिला करती है।जल भराव से मच्छर पनपते हैं। जिनसे मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छर बढ़ते हैं।इनके काटने से डेंगू और मलेरिया बुखार बढ़ने की समस्या बढ़ जाती है।इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तत्काल समीप के अस्पताल में जांच करानी चाहिए। और समुचित इलाज लेना चाहिए।

अधिक पानी से गलने लगी फसलें किसान फिर बर्बादी की कगार पर

तेंदूखेड़ा हाल ही में हुई लगातार जोरदार वारिस के चलते लगभग हर वर्ग प्रभावित हुआ है।साथ ही साथ किसानों की किसानी पर भी बूरा असर पड़ा है। लगातार इस वारिस से नदियों में बाढ़ होने के चलते खेतों में भी पानी भरने से अधिकांश फसलें अधिक पानी के कारण गलने लगीं है। जिनमें धान सोयाबीन अरहर गलने लगा है तथा मक्का फसल भी अब पीली पढ़कर सूखने लगी है। हमारे प्रतिनिधि को क्षेत्रीय कृषकों ने बताया कि मूंग फसल कटने के तत्काल बाद जिन किसानों ने मक्का सोयाबीन अरहर उड़द और धान लगा दी थी। अपने आप में उन्हें सजग किसान माना जा रहा था।जो किसान वंचित रह गए थे मौका पाकर फसल लगा रहे ही थे कि लगातार बारिश बीज को बहाकर ही ले गई । और उग ही नहीं पाई।जिन कृषकों की पूर्व में बुबाई हो गई थी उनकी फसलें पानी में गलकर नष्ट हो गई है। कुल मिलाकर जिन कृषकों द्वारा बुबाई नहीं कर पाये वही फायदे में रहे। किसानों का कहना है कि मंहगे बीज और मजदूरी चली गई।हाथ में कुछ नहीं रहा। वर्तमान

में खेत लबालब भरे हुए हैं। फसलों को बतर ही नहीं मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि धान की क्रांति टेंनटेन प्रजाति और तुअर की दुर्गा आशा लक्ष्मी प्रजाति गल चुकी है। वहीं सोयाबीन की 2117 2172 एम 85 ब्लेक गोल्ड भी गल चुके हैं। 30 जुलाई तक मक्के की अच्छी ग्रोथ हो जाया करती थी लेकिन इस अभी तक फसल ग्रोथ ही नहीं कर पाई है जिसका मुख्य कारण वारिस ही बना हुआ है। अब मौसम विभाग फिर से 5 अगस्त तक वारिस होना बताने लगा है। फसलों को धूप की नितांत आवश्यकता है।

बीएसी ने किया स्कूल का निरीक्षण

गोटेगांव नगर की शासकीय प्राथमिक कन्या शाला एवं शासकीय प्राथमिक नेहरू शाला का बीएसी उमाशंकर छिरा ने निरीक्षण किया। शासन से प्राप्त टीएम से गतिविधि कराई गईं तथा बच्चों के पीएम पोषण आहार का अवलोकन किया गया। पीएम पोषण आहार गुणवत्ता पूर्ण अच्छी पाई गई। भोजन मेन्यू अनुसार पाया गया। बच्चों को नियमित शाला आने के लिए प्रेरित किया गया तथा बच्चों को प्रतिदिन गणवेश पर आने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शाला में समस्त शिक्षक उपस्थित रहे, साल में प्राप्त ए ग्रेड पुस्तकों पर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बीएसी के साथ उत्कृष्ट जन शिक्षा केंद्र से दोनों जन शिक्षक अजित कुमार सोनी और विकास साहू उपस्थित रहे।

अज्ञानी श्रावक भक्त नहीं बल्कि कमबख्त हैं- मुनि श्री प्रबुद्ध सागर

भगवान को मानते हो, तो उसकी वाणी को भी मानना चाहिए

गोटेगांव। जिनेंद्र भगवान का समोशरण इतना अलौकिक एवं सर्व हितकारी होता है कि भगवान के वचन हरेक जीव अपनी भाषा में जान लेता है,समझ लेता है। फिर वह जीव चाहे मनुष्य हो या फिर पशु पक्षी। वीतरागी जिनेंद्र भगवान कभी भी पक्षपात नहीं करते। उनके वचन सबके लिए हैं, सबके हितकारी हैं । जिस किसी को कहीं भी शरण नहीं मिलती उसे भी वीतरागी भगवान के चरणों में शरण मिल जाती है। सर्व हितकारी यह धार्मिक बात गोटेगांव नगर में विराजमान मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर जी महाराज ने अपने धर्म प्रवचन में कहीं। मुनि श्री ने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्ति का महत्वाकांक्षी अहंकार ही उसे श्रेष्ठ देव अर्थात जिनेंद्र भगवान की श्रेष्ठता स्वीकार नहीं करने देता। लेकिन वीतरागी के यहां सभी को शरण मिलती है। आज की स्थिति यह है कि लोग राम को तो मानते हैं लेकिन उनकी वाणी को नहीं मानते । लोग महावीर को तो मानते हैं, पर उनकी वाणी को नहीं मानते हैं। लेकिन जीवन में अपनाने योग्य बात यह है कि जैसे जिनेंद्र भगवान हैं वैसी ही उनकी सर्वहितकारी वाणी है। इसके बाद भी आप भगवान को तो मानते हो परन्तु उनकी वाणी को नहीं मानते हो। ऐसे अज्ञानी श्रावक भगवान के भक्त नहीं बल्कि कमबख्त हैं । श्रावक के जीवन में होना तो यह चाहिए कि जब वह जिनेंद्र भगवान को मानता हैं तो उनकी वाणी को भी मानना चाहिए। भगवान की वाणी कटु तो हो सकती है लेकिन स्वार्थ भरी या राग द्वेष भरी नहीं होती है। इसलिए इस वाणी को पूर्ण रूप से स्वीकार करने पर ही मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति होगी। वरना वह यह संसार में भटकता रहेगा। यदि तुम अपने जीवन में परिवर्तन लाना चाहते हो । जीवन को धर्मानुकूल बनाना चाहते हो तो भगवान को मानने के साथ ही उनकी वाणी को भी मानो उनकी वाणी पर अमल करो । मुनिश्री ने कहा कि कोई भी मुनि भोजन करने के लिए मुनि नहीं बनता बल्कि वह भजन करने के लिए मुनि मुद्रा धारण करता है । इस दौरान यदि आगम में बताए अनुसार भोजन मिल जाए तो ठीक है और नहीं मिले तो भी ठीक है। आगम में कहा गया है कि भूख लगे तो दिन में केवल एक बार भोजन कर लेना। कोई भी संकल्पित व्रती श्रावक दिन में केवल एक बार भोजन ग्रहण करता है। और यदि कोई संकल्पित व्रती नहीं है तो वह दिन में दो बार भोजन करता है। लेकिन जो दिन भर खाता है ,कई बार खाता है वह न तो व्रती है और न ही श्रेष्ठ श्रावक हैं। व्रती वह होता है जिसने शरीर को धर्म का साधन बनाया है ।इसलिए वह शरीर को आवश्यकता अनुसार दिन में केवल एक बार ही भोजन देता है। आचार्य विद्यासागर सभागार में उपस्थित श्रावकों को धर्म का मर्मज्ञ बतलाते हुए मुनि श्री प्रबुद्ध सागर जी ने कहा कि श्रावक को पहले भगवान का भजन करना चाहिए उसके बाद भोजन करना चाहिए। ध्यान रखना कि भगवान का भजन पहले इसलिए किया जाता है कि बाद में अच्छे से भोजन मिले। लेकिन कई लोग तो ऐसे भी हैं जो अच्छे से भोजन करने के बाद ही भगवान का भजन करते हैं ।

गुरु सिर्फ मंत्र नहीं देते, वो मन को मुक्त करते हैं, आत्मा को पहचान दिलाते हैं - शंकराचार्य

गोटेगांव समीपवर्ती परमहंसी गंगा आश्रम में चल रहे चातुर्मास्य अनुष्ठान के उन्नीसवें दिन प्रातःकालीन मुंडकोपनिषद् स्वाध्याय और सायंकालीन रामकथा में पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वतीजी महाराज ने गुरुतत्त्व, आत्मविवेक और वैराग्य पर अद्वितीय प्रकाश डाला।

मुंडकोपनिषद् अग्नि की ज्वाला और ब्रह्मज्ञान की उड़ान

सुबह के सत्र में पूज्यपाद महाराजश्री ने मुंडकोपनिषद् का मंत्र उद्घाटित किया "तद्विज्ञानार्थं स गुरुमेवाभिगच्छेत ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए विवेकवान शिष्य को गुरु के पास जाना चाहिए।

पिपलेश्वर महादेव से भूतेश्वर महादेव तक महिलाओं ने निकाली कांवड़ यात्रा

गोटेगांव। भगवान भोलेनाथ के प्रिय सावन के महीने में चारों तरफ भोलेनाथ की भक्ति की धूम है जहां बड़ी-बड़ी कावड़ यात्रा भक्तों के द्वारा सभी जगह निकाली जा रही हैं वहीं पथरिया कुआं के नजदीक स्थित अति प्राचीन सिद्ध पिपीलेश्वर महादेव मंदिर से महिला मंडल ने कांवड़ यात्रा निकाली पीले वस्त्रों को धारण किए हुए महिलाओं व छोटे-छोटे बच्चे हर हर महादेव के नारे लगाते हुए कांवर में जल भरकर। गाजे बाजे के श्रीदेव ठाकुर बाबा मंदिर होते हुए भगवान भूतेश्वर मंदिर पहुंचे, कावड़ यात्रा में महिलाओं व बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला जहां सभी ने भगवान भूतेश्वर को जल अर्पण करते हुए विधिवत पूजन अर्चन कर पूर्ण लाभ अर्जित किया। कांवड़ यात्रा माता खेरमाई होते हुए भगवान पिपलेश्वर महादेव पर संपन्न हुई उल्लेखनीय है कि शिव पार्वती मंदिर में निरंतर भक्ति भाव से अनेक धार्मिक आयोजन होते रहते हैं।